Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 27 ◘ अंक- 293 ◘ रायपुर, रविवार 17 नवम्बर 2024 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी का नाइजीरिया में भव्य स्वागत, द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ेगा सहयोग

नई दिल्ली, 17 नवंबर (न्यूज चैनल)। नाइजीरिया की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने शीर्ष सम्मान द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित करने का एलान किया है। पीएम मोदी से पहले सिर्फ ब्रिटेन की पूर्व महारानी क्वीन एलिजाबेथ को ही इस सम्मान से सम्मानित किया गया था। वहीं नाइजीरिया 17वां देश है, जो अपने शीर्ष सम्मान से पीएम मोदी को सम्मानित कर रहा है। चीन और नीदरलैंड के बाद नाइजीरिया, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश है। नाइजीरिया में कई गुजराती और सिंधी परिवार बसे हुए हैं। नाइजीरिया में तेल और गैस के विशाल भंडार हैं, इस वजह से नाइजीरिया अफ्रीका के अहम देशों में से एक है। भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से भी नाइजीरिया अहम है। भारत ने नाइजीरिया के ऊर्जा, खनन, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश किया हुआ है और भारत की करीब 150 कंपनियां काम कर रही हैं, जिनका नाइजीरिया में करीब 27 अरब डॉलर का निवेश है। अपनी यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में, मोदी राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के निमंत्रण पर 19 से 21 नवंबर तक गुयाना का दौरा करेंगे। यह 50 वर्षों से अधिक समय में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली गुयाना यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी की यह पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजीरिया की पहली यात्रा है। वे नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं।

मणिपुर में चार और विधायकों के घर जलाए गए; उपद्रवियों ने सीएम के पैतृक आवास पर धावा बोलने की कोशिश की

मुख्यमंत्री के पैतृक घर से करीब 3-4 किलोमीटर दूर मंत्रिपुखरी इलाके में रात करीब 11 बजे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा

नई दिल्ली, 17 नवंबर (न्यूज चैनल)। मणिपुर में हिंसा की आग फिर से तेज हो गई है। दरअसल शनिवार रात को उग्र भीड़ ने इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में तीन भाजपा विधायकों और एक कांग्रेस विधायक के घरों में आग लगा दी। उग्र भीड़ ने सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर भी हमले की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। जिरीबाम जिले में उग्रवादियों द्वारा तीन महिलाओं और बच्चों की हत्या कर दी गई। जिससे लोगों का गुस्सा भड़क गया आक्रोशित लोगों ने शनिवार को राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के घरों पर हमला कर दिया। इसके बाद अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुस्साए लोगों ने निंगथौखोंगं में पीडब्ल्यूडी मंत्री गोविंददास कोंथौजम, लैंगमीडोंग बाजार में हियांगलाम के भाजपा विधायक वाई राधेश्याम, थौबल जिले में वांगजिंग टेंथा के भाजपा विधायक पाओनम ब्रोजेन और इंफाल पूर्वी जिले में खुंड्राकपम के कांग्रेस विधायक टी लोकेश्वर के घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि जब गुस्साई भीड़ ने विधायकों में घुसकर तोड़फोड़ की और घरों में आग लगाई उस वक्त विधायक और उनके परिवार के सदस्य घर पर नहीं थे। इन घटनाओं में घर आंशिक रूप से जल गए। आग के फैलने से पहले ही उस पर काबू पा लिया गया।

शनिवार की रात को प्रदर्शनकारी इंफाल पूर्वी के लुवांगशांगबाम में सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास की ओर भी बढ़े, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें 100-200 मीटर पहले ही रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि असम राइफल्स, बीएसएफ और राज्य बलों सहित सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलाईं और सीएम के घर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इसके बाद, प्रदर्शनकारियों ने बीरेन सिंह के घर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर टायर जलाए और वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए लोहे की रोड बिछा दी।

इंफाल घाटी में कर्फ्यू लगा

मुख्यमंत्री के पैतृक घर से करीब 3-4 किलोमीटर दूर मंत्रिपुखरी इलाके में रात करीब 11 बजे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा। पुलिस के अनुसार, कई प्रदर्शनकारी अन्य निर्वाचन क्षेत्रों से वाहनों में आए थे। रविवार की सुबह, इंफाल घाटी के सभी पांच जिलों में स्थिति शांत लेकिन तनावपूर्ण रही। जिरीबाम में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। सुरक्षा बलों ने इंफाल के कई हिस्सों में गश्त बढ़ा दी है और शनिवार को हमला किए गए विधायकों के कई आवासों के साथ-साथ सचिवालय, राज्य भाजपा मुख्यालय और राजभवन की ओर जाने वाली सभी प्रमुख सड़कों पर तैनाती बढ़ा दी है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने तीन विधायकों के घरों में भी तोड़फोड़ की, जिसमें बीरेन सिंह के दामाद आर के इमो भी शामिल हैं, जो भाजपा के विधायक हैं। इनके अलावा सपम रंजन, एल सुसिंद्रो सिंह और वाई खेमचंद के घरों पर भी हमला किया गया।

छत्तीसगढ़ ट्रिपल मर्डर केस का खुलासा

लव अफेयर में मां बेटी और बेटे को उतारा मौत के घाट

रायपुर, 17 नवंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मिले नर कंकालों के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. आरोपी मुख्तार अंसारी ने अपने भाई आरिफ के प्रेम प्रसंग को लेकर हत्या करने की बात कबूल की है।

पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल ने बताया, आरिफ का मृतका की छोटी बेटी से प्रेम संबंध था, जो मुख्तार को नागवार गुजरा. हत्या के आरोपी को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड में लिया गया है. मीडिया द्वारा घटना की विस्तृत जानकारी मांगे जाने पर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विवेचना जारी है. आगे जो भी तथ्य आएंगे फिर बताया जाएगा. बता दें कि कुसमी थाना क्षेत्र में 27 सितंबर से मां कौशल्या ठाकुर (उम्र 36 साल), बेटी मुस्कावती उर्फ मुस्कान ठाकुर (उम्र 17 साल) और बेटा मिंटू ठाकुर (उम्र 5 साल) लापता थे. तीनों का नरकंकाल लगभग डेढ़ महीने बाद बलरामपुर थाना क्षेत्र के दहेजवार ग्राम से बरामद हुआ है. परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही और अन्य संदिग्धों की संलिप्तता का आरोप लगाया है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है.

एसपी ने थाना प्रभारी को किया लाइन अटैच

बलरामपुर में 15 नवंबर को एक खेत में तीन नर कंकाल मिलने का मामला सामने आया था. ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की. वहीं इस मामले में कुसमी झड़ु जितेंद्र जायसवाल को लाइन अटैच कर दिया गया है. लापरवाही बरतने पर रक्से यह कार्रवाई की है।

हाथियों के हमले में पति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

बलरामपुर, 17 नवंबर (हाईवे चैनल)। बलरामपुर जिले के ग्राम चिलमा में हाथियों ने सो रहे दंपती पर हमला कर दिया, जिसमें पति की मौत हो गई, वहीं पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रदेश में हाथियों का आतंक बरकरार है. सबसे ज्यादा दहशतजदा जंगल के समीप बसे गांवों में रहने वाले लोग हैं, जिनकी जान-माल को हाथी लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं. कुछ दिनों से राजपुर वन क्षेत्र में 43 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है, वहीं धमनी वन क्षेत्र में भी 22 हाथियों का दल विचरण कर रहा है, जिसमें किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है. स्थानीय प्रशासन और वन विभाग लोगों को जागरूक व सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है।

जेनेरिक दवाईयों पर भरोसा कम, शहर में कई जेनेरिक मेडिकल लेकिन खरीददार कम

समान फार्मूले की जेनेरिक और ब्रांडेड कंपनियों के दवाईयों के दाम में रहता है कई गुणा का अंतर

डाक्टरों द्वारा ज्यादातर लिखी जाती है ब्रांडेड दवाईयां, मरीज समान फार्मूले की अन्य नाम की दवाईयां लेने से करते है परहेज

धमतरी 17 नम्बवर (हाईवे चैनल)। राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा लोगों पर से दाईवाों के भारी दाम का बोझ कम करने के उद्देश्य से कई योजनाओं के माध्यम से जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स का संचालन करवा रही है लेकिन इन सुविधाओं का उपयोग लोग उम्मीद के अनुरुप नहीं कर रहे है।

बता दे कि शहर में जिला अस्पताल के पास व आमातालाब इंडोर स्टेडियम में श्री धन्वतंरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स का संचालन राज्य सरकार के माध्यम से होता है। वहीं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के नाम से केन्द्र सरकार द्वारा रलवाबांधा रोड पर जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स संचालित है। जब इन मेडिकल स्टोर्स का संचालन शुरु हुआ तो उम्मीद की जा रही थी कि लोग हाथो हाथ सस्ती जेनेरिक दवाईयों का लाभ ज्यादा से ज्यादा उठायेंगे। लेकिन ऐसा हुआ नहीं सामान्य निजी मेडिकल दुकानों की तुलना में जेनेरिक मेडिकल स्टोर में लोग काफी कम पहुंचते है। जेनेरिक में सामान्य बीमारियों के साथ ही मल्टी विटामिन, इंफेक्शन, सर्दी खांसी, बुखार, दर्द, ट्रथपेस्ट कई मेडिकल प्रोडक्ट, सेनेटरी पैड सहित अन्य सामान काफी कम दाम पर मिलते है। बाउजूद इसके यहां ग्राहकी कम ही रहती है। इस संबंध में जब लोगों से चर्चा की गई तो लोगो ने बताया कि जेनेरिक दवाईयां सस्ती तो रहती है। लेकिन उन्हें ऐसा लगता है कि असरकाक भी कम रहती है। जबकि ऐसा नहीं होता। एक दवाई जिसे यदि 10 कंपनियां बनाये तो सभी कंपनियों का फार्मूला समान ही होता है। लेकिन लोगों के मन में यह भ्रांतियां है जिसके चलते समान दवाईयों को कई गुणा ज्यादा दाम पर ब्रांडेड, कंपनियों की खरीदते है। कुछ ऐसे भी लोग होते है जिन्हें डाक्टर द्वारा पर्चा में लिखी गई दवाईयों पर विश्वास होता है उसी फार्मूले की दूसरी ब्रांडेड दवाईयां भी लेने से परहेज करते है। जबकि जेनेरिक दवाईयों को सिरे से खारिज कर देते है। इसलिए लोग सस्ती दवा का लाभ नहीं उठा पा रहे है।

इसलिए कम होता है जेनेरिक दवाईयों के दाम

दरअसल पेटेंट ब्रांडेड दवा कंपनियां अपनी दवाईयों के दाम अपने मुनाफे और मार्केटिंग के हिसाब से तय करती है। कंपनियां ब्रांडिंग एडवाटायजिंग, डाक्टर और मेडिकल स्टोर्स को भारी कमीशन भी देती है। कई लुभावने गिफ्ट व पैकेज भी दिये जाते है। इसलिए दवाईयों के दाम कई गुणा बढ़ जाता है। वहीं जेनेरिक दवाईयां बनाकर सीधे स्टोर्स में पहुंचा दी जाती है। न ब्रांडिंग या प्रचार प्रसार न ज्यादा कमीशन होता है। वहीं दाम पर भी सरकार का नियंत्रण होता है। इसलिए जेनेरिक दवाओं के दाम काफी कम होते है।

आत्मानंद स्कूल के सामने मिली लाश इलाके में मचा हड़कंप

कोरबा, 17 नवंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा में आज सुबह एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति की लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है. सुबह जब स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक करने कटघोरा मुख्य मार्ग पर स्थित आत्मानंद स्कूल के पास पहुंचे, तो वहां अचेत पड़े लगभग 60 वर्ष के व्यक्ति की सूचना उन्होंने पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ को जांकर देखा तो वह मृत पाया गया. फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मृतक की पहचान करने और मामले की जांच में जुट गई है।

खाद्य तेल के बढ़ते दामों से बिगड़ा किचन का जायका

त्यौहारी सीजन में तेजी से बढ़े दाम

रायपुर, 17 नवंबर (हाईवे चैनल)। महंगाई की मार से आम जनता काफी परेशान नजर आ रहा है एक तरफ जहां लहसुन प्याज के साथ हरी सब्जी के दामों में तेजी देखी जा रही है वहीं दूसरी तरफ अब खाद तेल के दामों में भी तेजी से लोगों के किचन का जायका पूरी तरह से बिगड़ चुका है 2 माह में खाघ तेल के दाम में काफी तेजी देखने को मिली है सोयाबिन तेल 100 से 135 रुपए लीटर बिक रहा है वही जो टीन दो माह पहले 18 सौ रुपए में मिल रहा था वो अब 23 सौ रुपए तक हो गया है सभी खाघ तेलों के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है कहीं ना कहीं महंगाई की करने जनता की कमर तोड़कर रखती है महंगाई के चलते जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

आपको बता दे की लगातार खाघ तेल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है जिससे कहीं ना कहीं लोगों के किचन का जायका बिगड़ चुका है जो लोग 2 से 3 माह पहले खाद तेल की टीन खरीदते थे वह अब खुला या पैकेट लेने के लिए मजबूर हो चुके हैं तेल के बढ़ते दामों के चलते विभिन्न सेक्टरों में भी खाने-पीने के सामानों के दामों में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है तेल के दाम बढ़ने की वजह से खाने पीने के सामान भी महंगे होते जा रहे हैं.

वही मिली जानकारी के अनुसार खाद्य तेलों पर अचानक सीमा शुल्क बढ़ाए जाने से आम लोगों की रसोई का बजट बिगड़ गया है। सीमा शुल्क बढ़ाए जाने से सोयाबीन तेल, सरसों तेल और अन्य खाद्य तेलों के दाम 25-35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ गए हैं। इस फैसले से न सिर्फ रसोई का बजट प्रभावित हुआ है, बल्कि सब्जियों के दाम भी बढ़ गए हैं। कच्चे तेल पर सीमा शुल्क शून्य से बढ़ाकर 20ज़ कर दिया गया है, जबकि रिफाइंड तेल पर शुल्क बढ़ाकर 32.5ज़ कर दिया गया है। यह बदलाव 14 सितंबर से लागू हो गया है। नतीजतन, खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और इसका खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है। वही जिस हिसाब से खाघ तेलों के दामों में बढ़ोतरी हुई है अब उसमें नीचे आने के आसार साफ तौर पर नजर नहीं आ रहे हैं आने वाले दिनों में खाद्य तेलों के दामों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है खाद्य तेलों के दामों में बढ़ोतरी से कहीं ना कहीं विभिन्न सेक्टरों में इसका प्रभाव देखने को मिलेगा होटल ,ढाबों के साथ-साथ अन्य खाद्य की सामग्रियों में साफ तौर पर बढ़ोतरी होगी और आने वाले समय में जनता की जेब में इसका असर साफ तौर पर देखने को मिल सकता है।

खाद्य तेलों की कीमतों में निम्नानुसार वृद्धि हुई है

सोयाबीन तेल:	100-145 रुपये प्रति लीटर
सरसों तेल:	130-165 रुपये प्रति लीटर
मीठा तेल:	100-135 रुपये प्रति लीटर
वनस्पति घी:	120-135 रुपये प्रति लीटर

'आप' को बड़ा झटका: दिल्ली सरकार पर आरोप लगाकर मंत्री कैलाश गहलोत ने छोड़ी पार्टी

नई दिल्ली, 17 नवंबर (न्यूज चैनल)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को रविवार को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता कैलाश गहलोत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस्तीफा भेजा है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा देते हुए एक पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है।

गहलोत ने चिट्ठी में लिखा कि यमुना की सफाई का वादा हमने पिछले चुनाव में किया था, लेकिन सफाई नहीं हुई, हम अपना वादा पूरा नहीं कर पाए। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने मंत्री पद के साथ-साथ %आप% की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दिया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को %शीशमहल% करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। दिल्ली के मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है, शीशमहल जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद हैं, जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं...अब यह स्पष्ट है कि अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास आप से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

आम आदमी पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, कैलाश गहलोत ईडी और सीबीआई की जांच का सामना कर रहे हैं। वह जांच का सामना नहीं कर पा रहे हैं। उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। कैलाश गहलोत का जन्म 11 मार्च 1974 को हुआ था। कैलाश गहलोत का जन्म नई दिल्ली में गहलोत गोत्र के एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर ऑफ लॉ, मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री प्राप्त की है। दिल्ली की पिछली सरकार में परिवहन व पर्यावरण विभाग का कार्यभार संभालने वाले कैलाश गहलोत ने इस बार भी मंत्री पद की शपथ ली थी।